सच्चा पुत्र आज्ञाकारी होता है, सच्चा पिता प्रेम करने वाला होता है, और सच्चा मित्र ईमानदार होता है।

तेवर वही, अंदाज नया ......!
साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

डाक रजिस्ट्रेशन नं. मालवा डिवीजन-
L2/65/RNP/397/2024-2026

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 41 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 09-07-2024 से 15-07-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

मास्को में मोदी को रूसी सरकार से दुर्लभ सम्मान मिला

मॉस्को। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूस की राजधानी मास्को पहुंचने पर देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव ने हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी की। रूसी सरकार ने उन्हें दुर्लभ सम्मान देते हुए प्रथम उप प्रधानमंत्री श्री मंतुरोव को मोदी की अगवानी के लिये भेजा।

गौरतलब है कि यह पहला मौका था कि जब श्री मंतुरोव ने किसी विदेशी शासनाध्यक्ष की हवाईअड्डे पर अगवानी की है। इससे पहले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मॉस्को यात्रा के दौरान श्री मंतुरोव से कनिष्ठ उप प्रधानमंत्री ने उनकी अगवानी की थी।

श्री मोदी को रूसी सशस्त्र सेनाओं की एक संयुक्त टुकड़ी ने सलामी गारद पेश की और इसके बाद श्री मंतुरोव श्री मोदी के साथ एक ही कार में सवार हो कर होटल के लिए रवाना हो गये। रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन ने श्री मोदी के सम्मान में स्थानीय समयानुसार शाम सात बजे से नौ बजे के बीच निजी रात्रिभोज एवं बैठक का आयोजन किया है।

प्रधानमंत्री 22वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर 8-9 जुलाई को मॉस्को की आधिकारिक यात्रा पर आये हैं। मॉस्को में प्रधानमंत्री क्रेमलिन में अज्ञात सैनिक की कब्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित करेंगे और उसके बाद मॉस्को में प्रदर्शनी स्थल का दौरा करेंगे।

इन कार्यक्रमों के बाद दोनों नेताओं के बीच एक एकांत में बातचीत होगी, जिसके बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति श्री पुतिन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी।

गोहत्या बंद हो जाए तो पृथ्वी की समस्याएं खत्म-कोर्ट

तापी। गुजरात के तापी जिले की एक अदालत ने कहा कि जिस दिन पृथ्वी पर गाय का एक भी बूंद खून नहीं गिरेगा, उसी दिन धरती की समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

अदालत ने महाराष्ट्र से गो तस्करी के दोषी युवक आरिफ अंजुम को आजीवन कारावास और पांच लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाते यह टिप्पणी की। सत्र न्यायाधीश एसवी व्यास ने आदेश में कहा कि धर्म गाय से पैदा होता है, क्योंकि धर्म वृषभ के रूप में होता है और गाय के पुत्र को वृषभ कहा जाता है। अदालत ने संस्कृत के एक श्लोक को भी उद्धत किया, जिसमें कहा था कि अगर गाय विलुप्त हो जाती है, तो ब्रह्मांड का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। वेद के छह अंगों की उत्पत्ति गायों के कारण हुई। गुजराती भाषा में 24 पेज के आदेश में कोर्ट ने कहा कि गोहत्या, तस्करी की घटनाएं सभ्य समाज के लिए शर्मनाक हैं। कोर्ट ने दो श्लोकों का उल्लेख किया, जिसमें कहा है कि जहां गायें सुखी रहती हैं, वहां समस्त धन-संपत्ति की प्राप्ति होती है। गायें दुखी रहती हैं, तो सब नष्ट हो जाता है।

शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना माना नाम महर्षि सांदीपनि पब्लिक हाई स्कूल

महर्षि सांदीपनि पब्लिक हाई स्कूल विगत 24 वर्षो से शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना माना नाम है। उज्जैन शहर में 13 बच्चों की संख्या से प्रारंभ विद्यालय आज 1500 बच्चों का सुखद भविष्य गढने हेतु प्रयत्नरत है। विद्यालय अपनी प्री प्रायमरी नर्सरी व के.जी. की कक्षाओं में नवाचार के लिए प्रसिद्ध है। अपने पाल्य के प्रवेश हेतु निवेदन है कि एक बार अवश्य विद्यालय का अवलोकन करे।

प्राचार्य
● भारती महेश तिवारी

सम्पादकीय

पेपर लीक पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का इंतजार

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि यह स्पष्ट है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट में पर्चाफोड़ हुआ है, मगर इसमें देखना होगा कि इसका दायरा कितना बड़ा है। दरअसल, विद्यार्थियों की तरफ से दायर याचिकाओं में दुबारा नीट परीक्षा कराने की मांग की गई है। इस संबंध में अदालत ने एनटीए और सीबीआइ से पूछा है कि इसका दायरा कितना बड़ा है। अगर दो छात्रों को इसका लाभ मिला है, तो पूरी परीक्षा को रद्द करने का आदेश नहीं दिया जा सकता, लेकिन सोशल मीडिया के माध्यम से पर्चाफोड़ हुआ है तो यह जंगल की आग की तरह है। अगर परीक्षा की शुचिता 'नष्ट' हुई है तो दुबारा परीक्षा का आदेश देना होगा। हालांकि एनटीए और सरकार अंत तक अपनी दलील पर अड़े रहे कि जिन अभ्यर्थियों को कृपांक दिया गया था, उन्हें दुबारा परीक्षा देने का विकल्प दिया गया और अब नतीजे दुरुस्त हैं। मगर अदालत ने एनटीए से पर्चाफोड़ की प्रकृति और उन केंद्रों के नाम बताने को कहा है, जहां पर्चाफोड़ हुआ। सीबीआइ से पूछा है कि उसकी जांच में क्या तथ्य हाथ लगे हैं। दुबारा परीक्षा की मांग करने वाले छात्रों से भी अपने पक्ष में तर्क देने को कहा है।

इस मामले में अगली सुनवाई गुरुवार को होनी है। लगता नहीं कि एनटीए के पास अपने बचाव में कोई पुख्ता दलील बची है। वह शुरू से यही कहती आ रही है कि इस परीक्षा में पर्चाफोड़ हुआ ही नहीं। केंद्रीय शिक्षामंत्री भी कहते रहे कि परीक्षा से पहले पर्चे बाहर नहीं गए। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने माना है कि पर्चाफोड़ तो हुआ है। परीक्षा के दिन से ही विद्यार्थी आरोप लगा रहे हैं कि इसमें नकल कराई गई, मगर एनटीए उसे खारिज करता रहा। फिर जब नतीजे आए तो अभूतपूर्व ढंग से सड़सठ विद्यार्थियों को पूरे अंक मिले देखे गए। यह भी तथ्य उजागर हो गया कि कुछ केंद्रों पर ही ऐसे विद्यार्थियों की संख्या अधिक थी। एनटीए दलील देता रहा कि चूंकि जिन विद्यार्थियों को पर्चा मिलने में देर हुई उन्हें कृपांक दिए गए, इसलिए उनके अंक बढ़ गए। मगर इस सवाल का उसके पास कोई संतोषजनक जवाब नहीं था कि कृपांक देने का उसका आधार क्या था। फिर दबाव बना, तो पंद्रह सौ से अधिक कृपांक पाए विद्यार्थियों की दुबारा परीक्षा ली गई।

इस परीक्षा में करीब चौबीस लाख विद्यार्थी बैठे थे। इसके लिए उन्होंने महीनों कड़ी मेहनत से तैयारी की थी। अगर दुबारा परीक्षा होगी, तो उन्हें फिर से उसी प्रक्रिया से गुजरना होगा। मगर विडंबना है कि न तो एनटीए ने इस मामले को गंभीरता से लिया और न सरकार ने।

हमारा सबसे अच्छा दोस्त रूस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बातचीत के दौरान भारत तटस्थ रहना चाहता है और रूस के साथ व्यापार बढ़ाना चाहता है. यूक्रेन पर मॉस्को द्वारा हमले के मद्देनजर रूसी कच्चे तेल के आयात में वृद्धि के लिए भारत को पश्चिम में बहुत आलोचना झेलनी पड़ी. दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक ने सस्ते कच्चे तेल के कारण 2022 में रूस से डिलीवरी में दस गुना वृद्धि देखी और पिछले साल फिर से इसमें दोगुनी वृद्धि देखने को मिली. इसी दो साल की अवधि में रूस से भारत का कोयला आयात तीन गुना बढ़ गया. पुतिन की युद्ध मशीन को फंडिंग करने के आरोपों के बावजूद, नई दिल्ली ने मॉस्को के साथ भारत के पारंपरिक स्थिर और दोस्ताना संबंधों और आयातित तेल पर भारत की भारी निर्भरता का हवाला देकर इस बढ़ोतरी को उचित ठहराया.

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को 22वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए मॉस्को पहुंचे. रूस दौरे के दौरान मोदी की मुलाकात राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होगी. तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद यह मोदी का पहला रूस दौरा और पहला द्विपक्षीय दौरा भी है. मोदी के दौरे के दौरान क्रेमलिन रूस की कमोडिटी-निर्भर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और यूक्रेन युद्ध पर पश्चिमी प्रतिबंधों के प्रभाव को कम करने के लिए दक्षिण एशियाई शक्ति के साथ व्यापार को और बढ़ाने की कोशिश करेगा. रूसी सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने वार्ता की घोषणा करते हुए एक बयान में कहा था कि पुतिन और मोदी अपनी बैठक के दौरान क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के अलावा व्यापार जैसे एजेंडे पर बात करेंगे. भारत-रूस संबंध कितने मजबूत रूस के मामले में भारत को एक नाजुक रास्ते पर चलना होगा क्योंकि उसका लक्ष्य पश्चिम के साथ मजबूत संबंध बनाए रखना, मॉस्को के साथ नए व्यापारिक संबंध बनाना और यूक्रेन युद्ध पर तटस्थ रुख बनाए रखना है. डीडब्ल्यू ने भारत-रूस व्यापार संबंधों की मौजूदा स्थिति पर नजर डाली है और यह भी जानने की कोशिश की कि दोनों नेता किन मुद्दों पर सहमत हो सकते हैं. भारत और जर्मनी दे रहे हैं आपसी रक्षा संबंध बढ़ाने पर जोर शीत युद्ध के दौर से सोवियत संघ भारत का करीबी रहा है. सोवियत संघ और भारत ने रक्षा और व्यापार के लिए एक रणनीतिक साझेदारी बनाई जो साम्यवाद के अंत के बाद भी जारी रही. 2000 में तत्कालीन रूसी प्रधानमंत्री पुतिन ने नई दिल्ली के साथ सहयोग की एक नई घोषणा पर हस्ताक्षर किए थे. भारत रूसी रक्षा उद्योग के लिए एक प्रमुख बाजार है. हाल ही तक यह इसका सबसे बड़ा बाजार था. स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट (सिपरी) के मुताबिक पिछले दो दशकों के दौरान मॉस्को ने भारत की 65 फीसदी हथियार खरीद की सप्लाई की, जिसकी कुल कीमत 60 अरब डॉलर से अधिक थी. व्यापार बढ़ने की कितनी संभावना रूसी सेना द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद मॉस्को ने पश्चिम के प्रतिकार के रूप में भारत और चीन के साथ अपने संबंधों को गहरा करने की कोशिश की. क्रेमलिन ने युद्ध लड़ने के लिए देश के वित्त को बढ़ाने के लिए नई दिल्ली को तेल, कोयला और फर्टिलाइजर की सप्लाई पर भारी डिस्काउंट की पेशकश की. नतीजतन पश्चिमी प्रतिबंधों के मद्देनजर नए बाजार की तलाश में भारत रूसी कच्चे तेल के लिए एक प्रमुख निर्यात बाजार के रूप में उभरा. उदाहरण के लिए वित्तीय विश्लेषक कंपनी एसएंडपी ग्लोबल के मुताबिक अप्रैल में भारत को रूसी कच्चे तेल की सप्लाई 21 लाख बैरल प्रतिदिन के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई. 2023-2024 में भारत और रूस के द्विपक्षीय व्यापार में इजाफा देखने को मिला है. दोनों देशों के बीच करीब 65 अरब डॉलर का व्यापार हुआ. इस व्यापार की अहम वजह ऊर्जा है. भारत के वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 65.7 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था. हालांकि, व्यापार में रूस का पलड़ा भारी है, क्योंकि भारत ने तेल, उर्वरक, कीमती पत्थरों और धातुओं समेत 61.4 अरब डॉलर का सामान आयात किया है.

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी साल मई में एक उद्योग सम्मेलन में कहा, हम लंबे समय से रूस को राजनीतिक या सुरक्षा के नजरिए से देखते आए हैं. जैसे-जैसे वह देश पूर्व की ओर मुड़ रहा है, नए आर्थिक अवसर सामने आ रहे हैं. हमारे व्यापार में वृद्धि और सहयोग के नए क्षेत्रों को अस्थायी घटना नहीं माना जाना चाहिए भारत की चिंताएं क्या हैं? जबकि पश्चिम ने रूस के साथ सस्ते तेल सौदे को लेकर भारत की आलोचना को सीमित रखा है, हथियारों के लिए मॉस्को पर नई दिल्ली की ऐतिहासिक निर्भरता अमेरिका और यूरोप के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है. फ्रेंच इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस (आईएफआरआई) में भारतीय विदेश नीति पर शोधकर्ता अलेक्सेई जखारोव ने पिछले महीने एक शोध रिपोर्ट में लिखा था, नई दिल्ली ने रूस-यूक्रेन युद्ध से निपटने के लिए एक बारीक दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया है और मॉस्को और पश्चिम के साथ अच्छे संबंध बनाए रखे हैं शोध पत्र में जखारोव ने संरचनात्मक चुनौतियों के बारे में लिखा, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि ये चुनौतियां अभी भी दोनों पक्षों को आर्थिक संबंधों को पुनर्जीवित करने से रोकती दिखती हैं साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि रूस और भारत के बीच रक्षा सहयोग वर्तमान में अनिश्चितता की स्थिति में है उनके मुताबिक यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण रूस का हथियार क्षेत्र आंशिक रूप से प्रभावित हुआ है. रूस के हथियार उद्योग के साथ पहले के सौदों में भारत को कई नकारात्मक अनुभव हुए हैं. 2004 में रूस द्वारा अपग्रेड और मोडिफिकेशन किए गए सोवियत युग के विमानवाहक पोत को खरीदने के सौदे की लंबी देरी और लागत दोगुनी होने के कारण आलोचना की गई थी. 2013 में रूस की बनी एक पनडुब्बी में विस्फोट होने और उसके डूबने की घटना में चालक दल के18 सदस्यों की मौत हो गई थी, जिसके बाद भारत के नेताओं पर मॉस्को के साथ रक्षा सहयोग को लेकर और अधिक दबाव बढ़ गया था. भारतीय मीडिया ने अप्रैल में बताया कि भारतीय सेना वर्तमान में पांच एस-400 वायु रक्षा प्रणालियों और रूसी निर्मित फ्रिगेट्स में से दो का इंतजार कर रही है, जिन्हें रूस ने 2018 के सौदों के तहत सप्लाई करने पर सहमति जताई थी. सिपरी के आंकड़ों से पता चलता है कि 2017 और 2022 के बीच भारत मॉस्को से हथियारों के ट्रांसफर का प्रमुख गंतव्य बना रहा, लेकिन इसी अवधि के दौरान दक्षिण एशियाई देश को रक्षा निर्यात में रूस की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत से घटकर 36 प्रतिशत हो गई. फ्रांस और जर्मन हथियार सप्लायरों को नई दिल्ली की रणनीति में बदलाव से फायदा मिला है, जबकि भारतीय नीति-निर्माता क्रेमलिन के साथ नए समझौतों पर हस्ताक्षर करके मॉस्को पर पश्चिमी प्रतिबंधों को तोड़ने में संकोच कर रहे हैं. भारत ने कभी भी यूक्रेन का दृढ़ समर्थन नहीं किया है. विशेष रूप से पिछले महीने स्विट्जरलैंड में एक शांति सम्मेलन में एक संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से भारत ने इनकार कर दिया था जिसमें किसी भी शांति समझौते में यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की बात कही गई थी. नरेंद्र मोदी कई बार अपील कर चुके हैं कि युद्ध समाप्त होना चाहिए और दोनों पक्षों को बातचीत से अपने विवाद सुलझाने चाहिए. जखारोव ने अपने हालिया शोधपत्र में कहा, सतह पर देखने पर ऐसा लग सकता है कि (यूक्रेन युद्ध में) भारत की तटस्थता ने मॉस्को के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मदद की है. हालांकि, करीब से देखने पर पता चलता है कि भारत रूस के साथ अपने संबंधों में ज्यादा सतर्क हो गया है.

क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी में इंदौर बनेगा नम्बर वन-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इंदौर स्थित बीएसएफ रेंज क्षेत्र में वृह्द स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए अपनी माताजी की याद में वृक्षारोपण किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी माताजी स्व. लीलाबाई पूनमचंद यादव की स्मृति में बड का वृक्ष लगाया। केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने अपनी माताजी संतरा यादव की याद में आम का वृक्ष, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी माताजी अयोध्या देवी विजयवर्गीय की याद में आम का वृक्ष लगाया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा आदिकाल से इंदौर और उज्जैन का पर्यावरण के महत्व में विशेष संबंध रहा है। मां क्षिप्रा का उद्गम इंदौर से है। 7 नदियों के उद्गम का स्थल इन्दौर ही है। देश एवं दुनिया में इंदौर की विशेष पहचान है। क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी में इंदौर अवश्य नम्बर वन बनेगा। आज बीएसएफ रैंज में बडी

संख्या में माताएं अपने बच्चों के साथ उपस्थित हुई और वृक्षारोपण किया। प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर देश में एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से वृक्षारोपण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री के प्रयास से मध्य प्रदेश को चीते मिले, जो प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा भारतीय समाज सदैव से प्रकृति पूजक रहा है। भारत की वैदिक परंपराओं में कहा गया है कि 10 कुओं के समान एक सरोवर, 10 सरोवर के समान एक तालाब, 10 तालाब के समान एक पुत्र और 10 पुत्रों के समान एक वृक्ष होता है। ऐसी हमारी वैदिक मान्यता होकर वृक्ष की महत्ता हमारी परम्परा में है। भारतीय समाज सदैव से प्रकृति पूजक रहा है। उन्होंने कहा इंदौर क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी बनेगा, इसी संकल्प के साथ पूरा इंदौर इस अभियान से जुड़ा है। केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया। पूरे देश में 140 करोड़ वृक्ष लगाने का महा अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा इस वर्ष गर्मी का प्रचंड रूप 45 से 50 डिग्री तापमान के रूप में देखने को मिला। उन्होंने कहा पूरी दुनिया में विकास और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए मनुष्य ने कांक्रिट के शहर तो बसा दिए लेकिन धरती की हरियाली को उजाड़ दिया। मनुष्य कितनी भी तरक्की कर ले लेकिन भोजन, पानी, दवाओं का अंतिम एलिमेंट सहित कई जरूरतें प्रकृति उपहार में देती है लेकिन हम प्रकृति को इसके बदले में क्या लौटाते है। एक मां ने हमें जन्म दिया तथा एक धरती मां हमें जीवन जीने के साधन प्रदान करती है। जीवन देने वाली मां को नमन करने और प्रकृति मां के प्रति सम्मान के प्रति हरी भरी धरती देने के संकल्प को पूरा करना हमारा कर्तव्य है।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा इंदौर के ग्रीन कवरेज को बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा 51 लाख वृक्षों के रोपण के साथ इनके संरक्षण हेतु भी विशेष प्रयास किये जाएंगे। उन्होंने बताया विभिन्न समाजों एवं संस्थाओं द्वारा वृक्षारोपण करते हुए उनके संरक्षण की जिम्मेदारी ली जा रही है। इंदौर में जनभागीदारी के साथ अभियान को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा इन्दौर को ग्रीन कवरेज में नंबर वन बनाएंगे।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी, विधायक गोलू शुक्ला, मधु वर्मा, रमेश मेंदोला, संभागायुक्त दीपक सिंह, कलेक्टर आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, बीएसएफ के आईजी सीएसडब्ल्यूटी बी.एस. रावत, महानिरीक्षक सहायक प्रशिक्षण केन्द्र बीएसएफ अश्विन कुमार शर्मा सहित अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में महिलाएं, पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे। बीएसएफ रैंज में बडी संख्या में वृक्षारोपण किया गया।

राहुल गांधी 99 के फेर में बत्तमीजी मत करो

भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा राम आंदोलनकारियों को लेकर दिए गए बयान पर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने राहुल गांधी के बयान को मूर्खतापूर्ण बताते हुए करारा जवाब दिया है। रामेश्वर शर्मा ने रविवार को कहा कि मैं राहुल गांधी को बता देना चाहता हूं कि तुम्हारी दादी इंदिरा गांधी, तुम्हारे पिताजी राजीव गांधी ने बार-बार राम जन्मभूमि आंदोलन को कुचलने की कोशिश की लेकिन ना राम भक्त उनसे डरे, ना रामभक्तों को वो कुचल पाए। हमने उस समय भी डंके की चोट पर कहा था सरकार 100 बार चाहे जितने हथियार उठा ले, सरकार चाहे गोली चला दे हम भूमिपूजन करेंगे।

रामेश्वर शर्मा ने कहा कि आज हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि 6 दिसंबर को हम भी अयोध्या गए थे, कारसेवकों ने बाबरी ढांचा तोड़ा और 22 जनवरी 2024 को राम जन्मभूमि पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भव्य और दिव्य श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कर दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मुगालते में मत रहो, तुम्हारे पिताजी के पास 400 थे पर राम से टकराए तो जीरो पर आकर खड़े हो गए और इसलिए ध्यान रखो 99 के फेर में आकर बदतमीजी मत करो। रावण से लेकर कांग्रेस तक श्रीराम से जो-जो टकराये हैं वह सब मारे गए हैं कोई नहीं बचा। उन्होंने कहा कि जो राम का विरोध करता है हिंदुस्तान की जनता उसका विरोध करती है और राहुल गांधी के मुगालते हम जल्दी दूर करेंगे। कोई भी ताकत राम जन्मभूमि आंदोलन को नहीं कुचल पाई। साधु संतों के नेतृत्व में चलने वाला आंदोलन विजय के परचम पर है। बाबरी जिसके लिए तुम रोते थे और पूरी कांग्रेस छाती पीटती थी उसके नामोनिशान खत्म कर दिए हैं।

अभिनेता सुनील शेट्टी ने इंदौर में एक पेड़ मां के नाम अभियान में किया पौधरोपण

इंदौर। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता सुनील शेट्टी इंदौर प्रवास के दौरान यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प पर चलाये जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान में शामिल हुए।

उन्होंने रेवती रेंज में पहुंचकर पौधरोपण किया। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी के सीईओ दिव्यांक सिंह, महापौर परिषद के सदस्य राजेन्द्र राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण मौजूद थे।

इस मौके पर अभिनेता सुनील शेट्टी ने प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प पर शुरू हुए एक पेड़ माँ के नाम अभियान को अद्भुत बताया। उन्होंने इंदौर में इस अभियान के तहत 51 लाख पौधें रोपे जाने के अभियान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इंदौर पूरे देश में क्लिन सिटी के रूप में जाना जा रहा है। यह शहर अब ग्रीन सिटी के रूप में भी अपनी नई पहचान स्थापित करेगा। मंत्री विजयवर्गीय ने सुनील शेट्टी को अभियान के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

पौधरोपण कार्यक्रम में बीएसएफ जवान भी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

जूलियन असांजे ने जेल से रिहा होने के बाद अमेरिकी मातृभूमि पर उतरने से बचने के लिए यू.के. से बाहर जाने के लिए अपनी उड़ान के लिए 500 हजार डॉलर खर्च किए। असांजे इसके बजाय एक सुदूर अमेरिकी द्वीप पर उतरेंगे, जहाँ वे आरोपों के लिए दोषी होंगे।

यह द्वीप उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह में साइपन का अमेरिकी क्षेत्र है, जो ऑस्ट्रेलिया से लगभग 1,800 मील दूर है। सिडनी विश्वविद्यालय के लॉ स्कूल के एक प्रोफेसर ने कहा, उन्हें अमेरिकी कानून के तहत लगाए गए आरोपों का सामना करना होगा। असांजे की अमेरिकी संघीय अदालत में सुदूर द्वीप पर सुनवाई होगी। उनकी पत्नी ने सुझाव दिया कि 500 हजार डॉलर की उड़ान का भुगतान कर्ज से किया गया था, इसलिए वे इसे चुकाने के लिए संभवतः धन उगाहने का अभियान शुरू करेंगे।

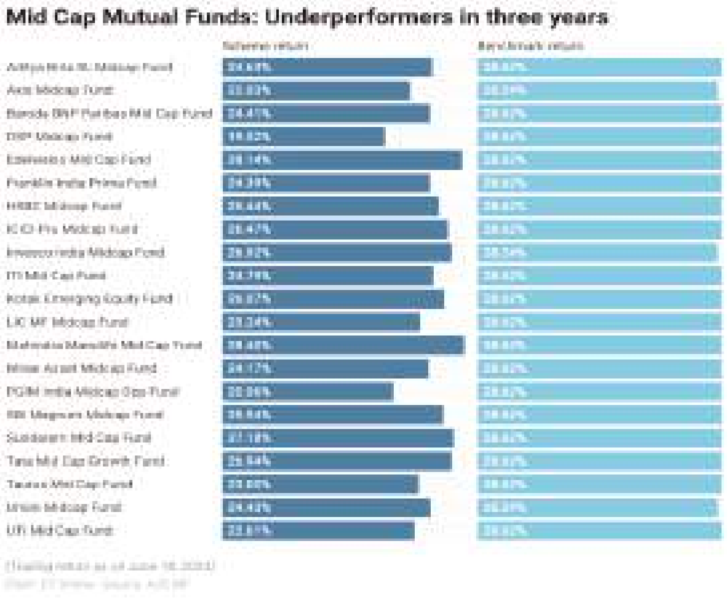

पिछले 3 सालों में लगभग 84 प्रति. मिड कैप म्यूचुअल फंड ने अपने संबंधित बेंचमार्क के मुकाबले खराब प्रदर्शन किया है। किसी भी फर्जी टेलीग्राम/व्हाट्सएप वित्तीय सलाहकार की सलाह न लें। केवल सेबी रजिस्टर एडवाइजर से सलाह लें।

Press Information Bureau
Government of India
*****

Ministry of Education constitutes a High-Level Committee of Experts to ensure transparent, smooth and fair conduct of examinations

Committee to make recommendations on Reform in mechanism of examination process, improvement in Data Security protocols and structure and functioning of NTA

Committee to submit its report to the Ministry within 2 months

New Delhi
22.06.2024

In order to ensure transparent, smooth and fair conduct of examinations through National Testing Agency (NTA), Department of Higher Education, Ministry of Education constituted a High-Level Committee of Experts to make recommendations on:

- Reform in mechanism of examination process.
- Improvement in Data Security protocols.
- Structure and functioning of National Testing Agency

The following shall be the Chairman and Members of the High-Level Committee:

1	**Dr. K. Radhakrishnan,** Former Chairman, ISRO and Chairman BoG, IIT Kanpur.	**Chairman**
2	**Dr. Randeep Guleria,** Former Director, AIIMS Delhi.	Member
3	**Prof. B J Rao,** Vice Chancellor, Central University of Hyderabad.	Member
4	**Prof. Ramamurthy K,** Professor Emeritus, Department of Civil Engineering, IIT Madras.	Member
5	**Shri Pankaj Bansal,** Co-Founder, People Strong and Board Member- Karmayogi Bharat.	Member
6	**Prof. Aditya Mittal,** Dean Student Affairs, IIT Delhi	Member
7	**Shri Govind Jaiswal,** Joint Secretary, Ministry of Education.	Member Secretary

सरकार ने परीक्षाओं के पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए इसरो के पूर्व अध्यक्ष और आईआईटी कानपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। समिति परीक्षा प्रक्रिया के तंत्र में सुधार, डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार और NTA की संरचना और कार्यप्रणाली पर सिफारिशें करेगी। समिति 2 महीने के भीतर मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

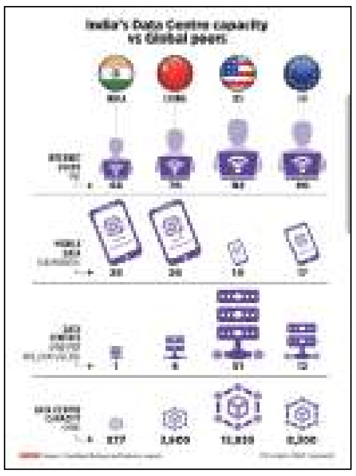

डेटा सेंटर इंडिया के पास डेटा सेंटर क्षमताओं को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है।

चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चिड़िया का वेश धरे, लंबे टीशर्ट में अंदर हाथ डाले युवाओं की ऐसी तस्वीरें विरोध का नया स्वरूप है। यह चीन की 996 कार्य संस्कृति के खिलाफ है। 996 यानी सुबह 9 से रात 9 तक सप्ताह में छह दिन काम। सप्ताह में 72 घंटे काम के विरोध में युवा बर्डिंग कर रहे हैं। कहना चाह रहे हैं कि जमीन पर गधों की तरह काम करने से बेहतर है पेड़ों पर चिड़िया बन जाना।

> The way FSSAI issues licences to businesses makes for a largely self-regulated process. Worse, its infrequent audits and lax penalties fall way short of what is required.

2020-2023 के बीच, FSSAI ने राज्य निकायों के साथ मिलकर घटिया खाद्य पदार्थों के लिए निर्माताओं के खिलाफ 91,153 सिविल मामले और 13,632 आपराधिक मामले दर्ज किए। दोषसिद्धि दर 60 प्रति. से अधिक है, लेकिन इसमें यह बताने में पारदर्शिता का अभाव है कि किसे दोषी ठहराया गया है।

करोड़पति कर्मचारी

इंफोसिस कर्मचारियों की संख्या-3,17,240 प्रति वर्ष 1 करोड़ से अधिक कमाने वाले-103. विप्रो-कर्मचारियों की संख्या-2,34,054 प्रति वर्ष 1 करोड़ से अधिक कमाने वाले-81 भारत की सबसे अमीर कंपनियों में भी करोड़पति कर्मचारी नगण्य हैं।

आज के साइबर धोखाधड़ी के युग में, हमारी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यहाँ कुछ सुझाव दिए गए हैं जो बायोमेट्रिक दुरुपयोग को रोकने में आपकी मदद करेंगे।

Synopsis
ONGC and IOC signed an agreement to set up a small-scale LNG plant near the Hatta gas field in Madhya Pradesh.

NEW DELHI: State-owned Oil and Natural Gas Corporation and Indian Oil Corporation have signed an agreement to set up a small-scale liquefied natural gas plant near the Hatta gas field in Madhya Pradesh. The memorandum of understanding (MoU) was signed on June 17, Oil and Natural Gas Corporation (ONGC) said in a statement.

मध्य प्रदेश में LNG प्लांट लगाने के लिए ONGC और IOCL ने साझेदारी की मध्य प्रदेश में, खास तौर पर राज्य के पूर्वी हिस्से में, कुछ औद्योगिक गतिविधियां देखना अच्छा है।

तीरंदाजी विश्व कप-भारतीय महिला कम्पाउंड टीम ने एंटाल्या में स्वर्ण पदक जीता। ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति स्वामी ने एस्टोनिया के खिलाफ फाइनल में 232-229 से जीत हासिल की और इस सीजन में क्लीन स्वीप करते हुए तीनों विश्व कप स्टेज स्वर्ण पदक जीते।

स्कूल का बच्चों के Learnings पर प्रभाव

भारत में 19,000 बच्चों पर सैंपलिंग की गई। अध्ययन में कोविड-19 के कारण स्कूल बंद होने से पहले और बाद में समान आयु के छात्रों की तुलना की गई और पाया गया कि सीखने की क्षमता में 1-2 साल की कमी आई है, जिसमें से 2/3 की कमी स्कूल खुलने के 6 महीने बाद पूरी हो गई। कोविड-19 सीखने की क्षमता में कमी और रिकवरी Source-साक्ष्य-अभिजीत सिंह, मौरिसियो रोमेरो और कार्तिक मुरलीधरन का रिसर्च।

HOW MUCH DOES A RUPEE OF INVESTMENT BECOME AT DIFFERENT RATES OF RETURN?

Years	12%	15%	18%	20%	26%	30%	35%	40%	50%	60%
1	1.12	1.15	1.18	1.20	1.26	1.30	1.35	1.40	1.50	1.60
2	1.25	1.32	1.39	1.44	1.59	1.69	1.82	1.96	2.25	2.56
3	1.40	1.52	1.64	1.73	2.00	2.20	2.46	2.74	3.38	4.10
4	1.57	1.75	1.94	2.07	2.52	2.86	3.32	3.84	5.06	6.55
5	1.76	2.01	2.29	2.49	3.18	3.71	4.48	5.38	7.59	10.49
6	1.97	2.31	2.70	2.99	4.00	4.83	6.05	7.53	11.39	16.78
7	2.21	2.66	3.19	3.58	5.04	6.27	8.17	10.54	17.09	26.84
8	2.48	3.06	3.76	4.30	6.35	8.16	11.03	14.76	25.63	42.95
9	2.77	3.52	4.44	5.16	8.00	10.60	14.89	20.66	38.44	68.72
10	3.11	4.05	5.23	6.19	10.09	13.79	20.11	28.93	57.67	109.95

1 रुपया की वेल्यू

विभिन्न स्तरों पर 1 रुपया निवेश-कितना हो जाता है प्रति वर्ष प्रतिफल एक उपयोगी तालिका।

3 वर्ष पहले जो बीज रौपे वे पौधे बने, रौपे 51 पौधे

उज्जैन। पूज्य श्री गोपालराव सोनोने सेवाश्रम उज्जैन के समाजसेवी महेश सोनोने द्वारा गत वर्ष 7 जुलाई को बीज रोपण कर पौधों का उत्पादन किया गया था। जिनके 1 वर्ष के होने पर उनका जन्म दिवस मनाया गया एवं जो पौधे 3 वर्ष से पहले बीज रोपण कर उत्पादित किए गए थे उनका स्मार्ट रोड के किनारे हिद्वेश्वर महादेव मंदिर के सामने 51 पौधों का रोपण किया गया। ऊक्त आयोजन संस्था के संस्थापक एवं युवामच सत्संग समिति के उपाध्यक्ष महेश सोनोने के जन्मदिवस के अवसर पर प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी बीज रोपण कर 1100 पौधे उत्पादन करने का लक्ष्य रखा गया। संचालन गोपाल बागरवाल, मनोज परमार ने किया।

समाजसेवी अजीत मंगलम ने बताया कि पौधा रोपण का कार्यक्रम 7 जुलाई से प्रारंभ होकर निरंतर सितंबर तक जारी रहेगा। शहर के सुरक्षित स्थान पर पौधा रोपण किया जाएगा और उन्ही पौधों को 3 वर्ष के होने पर रोपित किए जाते हैं।

यह काम पिछले 21 वर्षो से निरंतर जारी है। अजीत मंगलम ने बताया कि पूज्य श्री गोपालराव सोनोने सेवाश्रम का लक्ष्य है उज्जैन शहर ही नहीं पूरे जिले को हरा भरा बनाना है। हम केवल पौधे रोपित ही नहीं करते उनकी परवरिश भी की जाती है। हमारी संस्था लगभग 25000 पौधों एवं वृक्षों का संरक्षण भी करती है। इसी कड़ी में इस वर्ष संस्था ने बीज रोपण का कार्यक्रम घटिया तहसील में शा. मॉडल उ मा वि घटिया में करने का निश्चय किया है। युवा मंच सत्संग समिति की सहयोगी संस्थाओं के माध्यम से पौधारोपण में सहयोग मंच की वरिष्ठ प्रतिभा अग्निहोत्री ने 11 पौधे स्वर्गीय आलोक अग्निहोत्री की स्मृति में पौधों का रोपण किया। लायंस क्लब उज्जैन महाकाल के सहयोग से पौधे की सुरक्षा के लिए 11 ट्री गार्ड लगाए गए आगे भी सुरक्षा की जाएगी।

नींद बनाम कैंसर

नींद की कमी और कैंसर के बीच संबंध अब इतना मजबूत हो गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने रात की शिफ्ट में काम करने के किसी भी रूप को संभावित कैंसरकारी के रूप में वर्गीकृत किया है।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन

INTERNATIONAL SOLAR ALLIANCE

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि पैराग्वे गणराज्य आधिकारिक तौर पर इसका 100वां पूर्ण सदस्य बन गया है।

30 नवंबर 2015 को पेरिस में COPwv के दौरान भारत के प्रधानमंत्री और फ्रांस के राष्ट्रपति द्वारा लॉन्च किया गया, ISA का उद्देश्य जलवायु कार्रवाई के समर्थन में वैश्विक स्तर पर सौर ऊर्जा की तैनाती में तेजी लाना है। ये भारत का अंतर्राष्ट्रीय अलाइंस में शुरू किया प्रखर कदम है।

साझेदारी समाप्त

फास्ट-फूड की दिग्गज कंपनी McDobald, IBM के साथ अपनी AI Drive Thru प्रौद्योगिकी साझेदारी का परीक्षण 100 से अधिक रेस्तरां में समाप्त करेगी। पिछले सप्ताह के अंत में फ्रैंचाइजी को भेजे गए एक ज्ञापन के अनुसार, तथाकथित ऑटोमेटेड ऑर्डर टेकर को 26 जुलाई से बंद किया जाएगा, जिसे सीएनबीसी ने प्राप्त किया है।

आज दुनिया में आठ कंपनियाँ हैं, जिनका बाजार पूंजीकरण-

1,000,000,000,000 या उससे ज्यादा है!

Nvidia
Microsoft
Apple
Saudi Aramco
Alphabet
Amazon
Meta
Tesla

उनमें से 6 टेक्नोलॉजी कंपनियाँ हैं। टेस्ला भी एक तरह की टेक कंपनी है। दिखाता है कि तकनीक किस तरह से राज कर रही है!

वीवो ग्रुप ने अपनी भारतीय सहायक कंपनी की 51 प्रति. इक्विटी भारत में स्थानीय टाटा समूह को बेच दी। पिछले साल भारत में वीवो का राजस्व 298.7 बिलियन रुपये था, जबकि टाटा ने इसके 51 प्रति. शेयर खरीदने के लिए केवल 10.88 बिलियन रुपये खर्च किए। भारत अपनी बड़ी आबादी का उपयोग मोबाइल फोन उद्योग को विकसित करने में मदद करने के लिए चीन से निवेश आकर्षित करने के लिए करता है। जैसे-जैसे उद्योग धीरे-धीरे परिपक्व होता है, भारत सरकार न केवल उन्हें चीन में मुनाफा वापस भेजने से रोकती है, बल्कि धीरे-धीरे मांग करती है कि चीनी कंपनियां अपने भारतीय अधिकारियों की संख्या बढ़ाएँ, भारतीय पूंजी लगाएँ, चीनी प्रबंधन कर्मियों को गिरफ्तार करें और अंततः कम कीमतों पर चीनी कंपनियों पर नियंत्रण करने के लिए बड़े भारतीय ग्रुप का इस्तेमाल किया।

भारत की बढ़ती दृश्यता

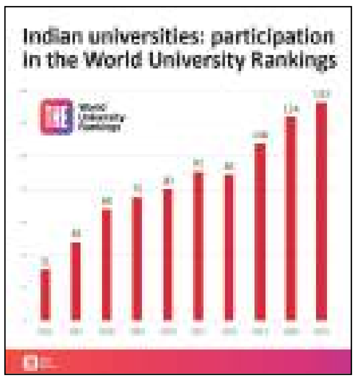

टाइम्स हायर की गई विश्व रैंकिंग में भारत की बढ़ती दृश्यता उल्लेखनीय है, जो अंतर्राष्ट्रीयकरण सुधारों से प्रेरित है। 2025 की रैंकिंग के लिए रिकॉर्ड 133 भारतीय विश्वविद्यालयों ने आवेदन किया है - 2017 में 42 से बढ़कर- जिससे भारत दुनिया में चौथा सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करने वाला विश्वविद्यालय बन गया है। अभी बहुत सुधार की जरुरत है।

Dividend Cash Cows

इन 5 सार्वजनिक उपक्रमों ने पिछले साल भारत सरकार को 75,400 करोड़ रुपये का लाभांश दिया! यह वित्त वर्ष 23-24 में सरकार द्वारा प्राप्त कुल लाभांश का 80 प्रति. था।

महिला क्रिकेट

महिला टेस्ट में सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी 292-शैफाली और स्मृति बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2024-241- बलूच और साजिदा बनाम वेस्टइंडीज, 2004 भारत ने 20 साल पुराना रिकॉर्ड बड़े अंतर से तोड़ा।

हाथरस कांड वाले 'भोले बाबा' पर अखिलेश यादव और राहुल गांधी चुप

हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में मची भगदड़ में 123 लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था। बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती और लेफ्ट के नेताओं को छोड़कर ज्यादातर नेताओं ने स्वयंभू बाबा के खिलाफ कुछ भी नहीं बोलने का फैसला लिया है। नेताओं द्वारा लगातार मांग की जा रही है कि जवाबदेही तय की जाए कि आखिर किसकी गलती थी, लेकिन बाबा की जिम्मेदारी पर कोई बात नहीं कर रहा है। राज्य के मुख्य विपक्षी नेता अखिलेश यादव भी बाबा को लेकर चुप ही हैं। हाथरस में हुई इस भयावह घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था।

राहुल-अखिलेश भी रहे बाबा पर शांत

घटना के बाद घटनास्थलों पर नेताओं के हाईप्रोफाइल दौरों और आरोप -प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया, लेकिन ज्यादातर पार्टियों ने बाबा के खिलाफ कुछ भी बोलने से परहेज ही किया। राहुल गांधी और अखिलेश यादव सहित उनकी पार्टियों के नेताओं ने राज्य प्रशासन को दोषी ठहराते हुए मृतकों के परिजनों के लिए बेहतर मुआवजे की मांग की। उन्होंने बाबा पर कुछ भी बोले बिना दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की अपनी मांग को सामान्य शब्दों तक ही सीमित रखा।

सत्ता पर बैठी भाजपा के नेताओं ने विपक्ष पर इस घटना पर राजनीति करने का आरोप लगाया, लेकिन बाबा पर ज्यादा कुछ बात नहीं की। वहीं अधिकांश क्षेत्रीय पार्टियां भी बाबा पर चुप ही रहीं। बाबाओं को लेकर यह रुख उन पार्टियों में विशेष रूप से देखा जाता है जो अंधविश्वास के कारण

बाबाओं के सामने झुकते हैं और इन बाबाओं के सहारे अपने वोट बैंक को संभालना चाहते हैं।

मायावती खुलकर आईं सामने

अन्य राजनीतिक पार्टियों के विपरीत बसपा सुप्रीमो मायावती ने बाबा और ऐसे अन्य बाबाओं पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हाथरस मामले में बाबा भोले और जो भी दोषी हैं उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे अन्य बाबाओं के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। हाथरस के भोले बाबा जैसे कई बाबाओं के अंधविश्वास और पाखंड से गुमराह होकर गरीबों और दलितों को अपना दुख और नहीं बढ़ाना चाहिए।

सीपीआई-एम के नेता सीताराम येचुरी ने कहा कि यह एक गंभीर बात है कि पिछले की वर्षों से अतार्किक विचारों और अंधविश्वास को अनियंत्रित रूप से फैलने दिया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी भयावह घटनाएं हो रही हैं। राज्य और केंद्र को ऐसे बाबाओं की सभाओं और धार्मिक सभाओं को नियंत्रित करने वाले मानदंड और नियम तय करने होंगे।

महुआ मोइत्रा की मुश्किलें बढ़ी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा की एक बार फिर से मुश्किलें बढ़ गई हैं। हाथरस कांड के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा के खिलाफ किए गए एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर महुआ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। नए आपराधिक कानून के तहत महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने को लेकर मामला दर्ज हुआ है।

यूपी के हाथरस में पिछले दिनों भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मच गई थी, जिसके बाद 121 लोगों की जान चली गई। इस हादसे के बाद महिला आयोग प्रमुख रेखा शर्मा घटनास्थल पर पहुंची थीं। सामने आए वीडियो में रेखा शर्मा के लिए किसी और ने बारिश से बचाने के लिए छाता पकड़ा हुआ था। इस पर महुआ मोइत्रा ने एक्स पर लिखा था कि वह अपने बॉस का पजामा संभालने में बहुत व्यस्त हैं। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद महुआ ने अपने पोस्ट को हटा लिया है।

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने अपनी अध्यक्ष रेखा शर्मा के विरुद्ध तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा की आपत्तिजनक टिप्पणी पर स्वतः संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ पुलिस से प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कहा था। एनसीडब्ल्यू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अभद्र टिप्पणी अपमानजनक है और यह गरिमा के साथ रहने के एक महिला के अधिकार का उल्लंघन है। आयोग ने पाया कि यह टिप्पणी भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 79 के अंतर्गत आती है। एनसीडब्ल्यू ने कहा कि वह अपमानजनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा करता है और मोइत्रा के खिलाफ सख्त कार्रवाई चाहता है।

एनसीडब्ल्यू ने लिखा था, मोइत्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए और तीन दिनों के भीतर आयोग को एक विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट से अवगत कराया जाना चाहिए। इसके बाद, एक्स पर एनसीडब्ल्यू के पोस्ट पर रिपोस्ट करते हुए मोइत्रा ने लिखा कि दिल्ली पुलिस आए, कृपया इन स्वतः संज्ञान आदेशों पर तुरंत कार्रवाई करें। अगर आपको अगले तीन दिनों में त्वरित गिरफ्तारी करने के लिए मेरी आवश्यकता हो तो मैं नदिया में हूं। एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष पर स्पष्ट रूप से तंज कसते हुए महुआ ने कहा, मैं अपना छाता खुद संभाल सकती हूं। एक अन्य पोस्ट में मोइत्रा ने शर्मा द्वारा किए गए पोस्ट के कई स्क्रीनशॉट साझा किए और कहा कि उन पोस्ट के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।

कृषि पर कार्बन कर

डेनमार्क कृषि पर दुनिया का पहला कार्बन कर लगाने जा रहा है, जिसमें मवेशी पालकों से उनकी प्रत्येक गाय से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के लिए प्रति वर्ष लगभग 100 वसूला जाएगा। पशुधन से वैश्विक उत्सर्जन में 11% की हिस्सेदारी है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई गायों से होता है।

स्काईट्रा-विश्व एयरलाइन पुरस्कार

पुरस्कारों के 25 साल के इतिहास में आठवीं बार कतर एयरवेज को विश्व की सर्वश्रेष्ठ एयरलाइन का खिताब दिया गया। इस सूची में जगह बनाने वाली भारतीय एयरलाइनें हैं विस्तारा (16), इंडिगो (52), और एयर इंडिया (90)।

समझौता

NSIL ने SSLV पर उपग्रह प्रक्षेपित करने के लिए एक ऑस्ट्रेलियाई कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह SSLV रॉकेट के लिए पहला वाणिज्यिक अनुबंध है जिसे जल्द ही निजी क्षेत्र को हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सर्वव्यापी बार कोड के 50 वर्ष

26 जून, 1974 को, एक क्लर्क ने ओहियो के मार्श सुपरमार्केट में Wrigley's Juicy Fruit गम के 10-पैक को स्कैन किया, जिसने खुदरा क्रांति की शुरुआत को चिह्नित किया। बारकोड प्रणाली का आविष्कार IBM में जॉर्ज लॉयर ने किया था।

बाबाओं की भक्ति और अंधविश्वास

बीती 2 जुलाई को हाथरस के अमित कुमार के परिवार की महिलाएं भी भोले बाबा उर्फ सूरजपाल जाटव के सत्संग में शामिल होने गई थीं। इस भगदड़ में उन्होंने अपनी ताई मुन्नी देवी और मौसी आशा देवी को खो दिया। अमित ने बताया, मेरे घर की चार महिलाएं उस दिन भोले बाबा के सत्संग में गई थीं।

मेरी मां, मौसी और दो ताई। मौसी और एक ताई तो नहीं रहीं। मां बुरी तरह भगदड़ में घायल हो गई थीं। लेकिन वो अब भी कहती हैं कि बाबा की गलती नहीं है। बाबा दोबारा सत्संग करेंगे तो वह जाएंगीं। सैकड़ों लोग मारे गए लेकिन घर की महिलाएं मानने को तैयार नहीं हैं कि इसके लिए बाबा भी जिम्मेदार है। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में भोले बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हुई। मरने वालों में 113 महिलाएं शामिल थीं। प्रशासन ने केवल 80,000 लोगों के शामिल होने की इजाजत दी थी। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वहां ढाई लाख लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई थी। सत्संग में शामिल होने वालों में भी अधिकतर महिलाएं ही शामिल थीं।

सेल्फ मेड बाबाओं के भक्तों में महिलाओं की संख्या अधिक होती है। ऐसे बाबाओं की भक्ति में शामिल महिलाओं पर हमेशा से ही अंधविश्वासी होने का आरोप लगता है। भीड़ में शामिल महिलाओं को अंधविश्वासी कहना पहली नजर में सही लग सकता है, लेकिन बात जब धर्म और जेंडर की हो तो इसमें कई पहलू शामिल हैं।

जर्नल साइंस की एक रिसर्च बताती है कि पुरुषों के मुकाबले महिलाएं जादुई घटनाओं, किसी अनहोनी जैसी चीजों में अधिक भरोसा करती हैं। इसके पीछे एक सबसे बड़ी वजह महिलाओं की तार्किक समझ तक पहुंच है। रिसर्च के मुताबिक पुरुष हमारे समाज में इस तरीके से बड़े होते हैं, जहां उन्हें तर्कसंगत होने और निर्णय लेने के लिए भावनाओं या भावनाओं के उपयोग से इनकार करने के काबिल बनाया जाता है। इसलिए वे किसी भी चीज पर तुरंत भरोसा करने की जगह विश्लेषण और सोच विचार करने को प्राथमिकता देते हैं। दूसरी तरफ महिलाओं के जीवन में इसकी कमी शुरुआत से ही बनी रहती है।

भगदड़ के कारण मौतों का केंद्र बन रहा है भारत

इन बाबाओं की स्वीकार्यता के पीछे इनके रक्षक होने की छवि भी एक महत्वपूर्ण पहलू हैं। अधिकतर महिलाएं इन बाबाओं के पास अपनी समस्याएं लेकर जाती हैं। उन्हें यह भरोसा दिलाया जाता है कि ये बाबा भगवान और उनके बीच की एक कड़ी हैं। लोग यह भरोसा करने लगते हैं कि इन बाबाओं के पास कोई दिव्य या

चमत्कारी शक्ति है। डॉ. संज्योत पेठे, लैंगिक अधिकारों पर काम करने वाली संस्था पैरिटी लैब से जुड़ी हैं। इस बात से सहमति जताते हुए वह कहती हैं कि कितनी महिलाओं की पहुंच है धार्मिक और दर्शनशास्त्र तक? जानकारी के अभाव का फायदा मिलता है इन बाबाओं को जो खुद को भगवान का दूत बना कर उनके सामने पेश करते हैं। महिलाओं को भी लगने लगता है कि ये बाबा उनकी रक्षा करेंगे।

सेल्फ मेड बाबाओं की जवाबदेही कौन तय करेगा?

गुरमीत राम रहीम, नित्यानंद, आसाराम बापू, रामपाल, ये कुछ ऐसे सेल्फ मेड बाबाओं के नाम हैं जिन पर हत्या, फ्रॉड और यौन शोषण के मामले दर्ज हैं। लेकिन ऐसे कई मामले सामने आने के बावजूद ऐसे बाबाओं की भक्ति में कोई कमी देखने को नहीं मिलती। ना ही इन बाबाओं को उनके भक्त जिम्मेदार ठहराते हैं। ऐसा ही कुछ भोले बाबा के मामले में भी नजर आया।

अमित बताते हैं, अकेले मेरे ही इलाके से कुछ 500-600 महिलाएं इस सत्संग में गई होंगी। मां बता रही थीं कि बाबा ने पहले ही कह दिया था कि उस दिन कुछ बड़ा होगा। इसलिए वह भगदड़ हुई। वह पिछले 20 सालों से इस बाबा की भक्त हैं।

मीडिया रिपोर्ट बताती हैं कि सत्संग खत्म होने के बाद भोले बाबा ने एलान किया था कि लोग उनके जाने के बाद उनके पैरों की धूल उठा सकते हैं। भीड़ बेकाबू होकर उस धूल को लेने बढ़ी। इसके बाद ही भगदड़ मची। यह उस भीड़ की ओर इशारा करती है जिसका जिक्र जर्मन लेखक इलाएस कनेटी ने अपनी किताब क्राउड्स एंड पावर में किया था। वह लिखते हैं कि धर्म एक आज्ञाकारी भीड़ चाहती है। लोगों की ऐसी भीड़ जो जिसे भेड़ माना जाए और उनकी विनम्रता के लिए उनकी प्रशंसा की जाए।

नारीवादी लेखिका सिमोन द बोउवा ने लिखा था कि धर्म या धार्मिक कर्मकांड महिलाओं को नम्र बनने, असमानता और शोषण सहने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

उन्हें बताया जाता है कि अगर वे ऐसा करेंगी तो मरने के बाद उन्हें इसका फल मिलेगा। धार्मिक कर्मकांडों में शामिल होने और सत्संग जाने वाली महिलाओं को समाज अच्छी महिलाओं की श्रेणी में रखता है।

संजोत इस इस पूरे प्रकरण को सत्ता से भी जोड़ कर देखती हैं। वह कहती हैं, हमारे समाज में महिलाओं के पास कोई सत्ता नहीं होती। उन्हें शुरू से यही सीख दी जाती है कि वे जितनी अधिक भक्ति में लीन होंगी, उन्हें उतना अधिक अच्छा माना जाएगा। उन्हें इस मापदंड पर तौला जाता है कि वे धर्म और भगवान के प्रति कितनी समर्पित हैं। यह स्वीकार्यता उन्हें थोड़ी बहुत सत्ता जरूर देती है।

खालीपन को भरने का जरिया बनती बाबाओं में आस्था

धर्म को जेंडर के संदर्भ में हमेशा से ही एक पितृसत्तात्मक संस्था के रूप में ही देखा गया है। हालांकि, कई महिलाओं के लिए यह खुद को व्यक्त करने के लिए एक माध्यम की तरह भी काम करता है। डेजी जकारिया, दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में पीएचडी स्कॉलर हैं। वह जेंडर और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे पर रिसर्च कर रही हैं। उन्होंने कहा, ऐसे बाबाओं पर महिलाएं भरोसा कर रही हैं, ये देखने या सुनने में अजीब और अंधविश्वास जरूर लग सकता है। लेकिन यह जरूरी तो नहीं कि हम जिस विचारधारा या आस्था में भरोसा करते हैं, वह सबको समझ आ जाए।

सोशल मीडिया और टीवी भी आज एक बड़ा माध्यम बन चुके हैं, जिसके जरिये ये बाबा लोगों तक पहुंच रहे हैं। महिलाएं ना सिर्फ इन आयोजनों में शामिल होती हैं बल्कि इन बाबाओं से जुड़ा कंटेंट भी इंटरनेट पर देखती हैं। प्यू रिसर्च सेंटर की एक रिपोर्ट बताती है कि पुरुषों के मुकाबले महिलाएं इंटरनेट का इस्तेमाल स्वास्थ्य, निजी समस्याएं या धर्म से जुड़ी जानकारियां जुटाने के लिए अधिक करती हैं।

वह आगे कहती हैं, पितृसत्तात्मक समाज ने महिलाओं को खुल कर अपनी भावनाएं जाहिर करने की आजादी कहां दी है।

ये धार्मिक आयोजन इस खालीपन को भरने का एक जरिया बन जाते हैं। ऐसे में इन बाबाओं पर उनके भरोसे और लगाव की जगह लेना मुश्किल हो जाता है। महिलाएं इन आयोजनों में शामिल होकर एक जीवन का मतलब ढूंढने की कोशिश करती हैं।

कभी घर में पैसे उधार न दें....पत्नी के यौन उत्पीड़न केस में ऐसा क्यों बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को पत्नी के यौन उत्पीड़न केस की सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने दिलचस्प टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कभी भी घर में पैसे उधार न दें। दरअसल मामला यह है कि पत्नी ने अपने पति के खिलाफ आर्टिकल 32 के तहत सेक्सुअल हरासमेंट की याचिका दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट में इसकी सुनवाई सोमवार को शुरू हुई तो जस्टिस नागरत्ना ने महिला के वकील से कुछ सवाल पूछे। इसके जवाब में वकील ने बताया कि महिला जिस कंपनी की इंप्लॉयी है, वहीं पर उसके पति इंप्लॉयर हैं। इसके बाद जस्टिस नागरत्ना ने वकील से कहा कि मामले में कानूनी सलाह लें और केस वापस हो गया।

एक महिला ने अपने पति के खिलाफ आर्टिकल 32 के तहत यौन उत्पीड़न का केस किया है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की कोर्ट मामले की सुनवाई शुरू हुई। वकील ने बताया कि जहां पर महिला नौकरी करती है, उसके पति वहीं पर इंप्लॉयर हैं। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने सवाल किया क्या पॉश कमेटी में अप्लीकेशन दी थी। इस पर वकील ने बताया कि हमने मामला उठाया तो था, लेकिन इसे लोकल कमेटी में ट्रांसफर कर दिया गया है। वहां पर इसे मैट्रिमोनियल मैटर बताकर रिजेक्ट कर दिया गया।

इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि आपको मामला लेकर हाई कोर्ट में जाना चाहिए। इस पर वकील ने बताया कि पति-पत्नी साथ नहीं रहते हैं। हालांकि वह एक ही ऑफिस में काम करते हैं। वकील का यह जवाब सुनकर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि इसीलिए कहा जाता है कि कभी घर में पैसे नहीं देने चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि हम आर्टिकल 32 के तहत सुनवाई नहीं कर सकते हैं। आप इस मामले में आगे के लिए कानूनी सलाह लीजिए। इसके बाद केस वापस हो गया।

हास्य का बड़ा नाम कर गये ओम जी, कुछ लोग जन्म जात सुमड़े थे, उनको भी हँसा गये ओम जी

उज्जैन। ठहाकों की सुनामी था पंडित ओम व्यास ओम। हास्य का बड़ा नाम कर गये ओम जी, कुछ लोग तो जन्म जात सुमड़े थे, उनको भी हँसा गये ओम जी। ठहाकों की सुनामी लहर था पंडित ओम व्यास ओम। अंतर राष्ट्रीय कवि दिनेश दिग्गज ने 15 वें पुण्य अवसर पर ओम व्यास को हास्यांजलि के माध्यम से काव्य पुष्प अर्पित किये।

दिग्गज ने कहा कि ना हो दीवार तो ये खिड़कियाँ क्या काम आयेगी.....ना हो इजहार तो चीठ्ठियाँ क्या काम आयेगी......अगर जो पढ़ नहीं पाये किसी की आँख के आँसू, तुम्हारे नाम की ये डिग्रियाँ किस काम आयेगी.....। देवास के कुलदीप रंगीला ने अपने अंदाज में हास्य व्यंग्य के तीर से मस्ती का इंद्र धनुष बनाते हुए कहा की तस्वीर अमीरी की जबसे नोट पर आ गई, मुफलिसी मेरे मुल्क की लंगोट में आ गई।

राखी कविता के द्वारा व्यंग्य करते हुए रंगीला ने कहा कि ग्यारह बहन है मेरी बावीस भुवाजियाँ, एक वक्त में लाता हूँ आठ सौ की सब्जियाँ, धनिया बचा ना राई राखी के बाद में...कैसे करूँ कमाई राखी के बाद में....।

सूत्रधार स्वामी मुस्कुराके शैलेंद्र व्यास ने खिलंदड अंदाज में कहा कि.....हास्य समर्पित ओम था, था हँसाना काम...अल्प समय में कर गया, जग में अपना नाम......ओम हास्याय नमः संस्था द्वारा पंडित ओम व्यास ओम के पुण्य तिथि स्मृति प्रसंग पर अंतर राष्ट्रीय कवि दिनेश दिग्गज को हास्य की ग्यारंटी अलंकरण एवं देवास के मस्ताने कवि कुलदीप रंगीला को खटाखट व्यंग्य सम्मान से विभूषित किया गया।

व्यंग्यकार मुकेश जोशी, प्रेमसिंह यादव, दिनेश दयावान ने 8 हजार 5 सौ रुपये के नकली नोट की माला, गोभी का फूल, ग्यारंटी की टोपी, खटाखट ताज पहनाकर तालियों के मध्य सम्मानित किया।

कवि सुरेंद्र सर्किट ने कवि हास्य मंगला चरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि जिंदगी में कभी कोई रुकावट ना आये, सपने जो बुने है उनमें सजावट आये.....सारे काम आपके फटाफट हो जाये, खाते में आपके 8500 खटा खट आये।

कविराज सुगन चंद ने पत्नी पुराण पर व्यंग्य करते हुए कहा कि...पत्नी जीवन का रंग भरा व्यंग्य है, पत्नी ही पति का सत्संग है कुछ कहते है पत्नी समस्या बड़ी है...हल्की फुल्की फुहारों में सावन की झड़ी है, कुछ को प्यार में जबरन गले पड़ी है.....बढलो भाषण (आभार प्रदर्शन) करते हुए अंतर राष्ट्रीय कवि अशोक भाटी ने कहा कि.....अर्पित हास्य सुमन करूँ, स्वीकारों तुम ओम, सात दिवस हँसते रहो, क्या रवि क्या सोम..... फुरसतियां भाषण स्वागत (भाषण) संजय व्यास ने दिया।

इस अवसर पर आलू बड़े का भोग लगाकर भंडारा किया गया। ताली बजाने के लिये कवि नरेंद्र सिंह अकेला, संतोष सुपेकर, स्वामी दिल मिलाके, अनिल बारोड, अजय टिक्कू, प्रो. रवि नागाईच, अनिल पाँचाल सेवक, शशांक दुबे, जितेंद्र सिंह कुशवाह, गुड्डन खान, उमेश गुप्ता राकेश चौहान, अजीत पोरवाल, राजेंद्र सिंह चौहान, अजय आगरकर, अंकित मुथा, अनिल चावंड, मानसिंह टाटक, शेषमल कछवाय आमन्त्रित किये गये थे। अंत में एक पेड़ माँ के नाम के तहत हास्य और व्यंग्य के पौधों लगाकर ठहाकों से सीचा गया।

वार्ड 8,18 एवं 54 के जल भराव की समस्या को दूरभाष से सुना एवं त्वरित निराकरण करवाया

उज्जैन। सोमवार को सायं 6 बजे महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा तेज बारिश के कारण कंट्रोल रूम पर प्राप्त शिकायतों की जानकारी प्राप्त करने के साथ ही शिकायतकर्ताओं से शिकायत प्राप्त कर उसका तत्काल निराकरण करवाया।

आपने बारिश के दौरान जलभराव से सम्बंधित समस्याओं का त्वरित निराकरण अधिकारियों के माध्यम से करवाया। वार्ड क्रमांक 18 में नेता प्रतिपक्ष श्री रवि राय जी द्वारा उद्योगपुरी आगर रोड पर खेड़ापति हनुमान के पास जल भराव की समस्या की सूचना कंट्रोल रूम पर दी गई थी। जिसे महापौर मुकेश टटवाल ने कंट्रोल रूम के दूरभाष पर नेता प्रतिपक्ष से चर्चा कर निराकरण अधिकारियों से करवाया। इसी प्रकार वार्ड क्र. 54 में समीर जी द्वारा नागझिरी उद्योगपुरी में पानी भर जाने की शिकायत गई तथा पार्षद गजेन्द्र हिरवे जी द्वारा वार्ड क्रमांक 8 में कृष्ण कॉलोनी में घरों में पानी घुसने की समस्या दर्ज करवाई गई जिसका भी तत्काल निराकरण करवाया गया। महापौर श्री मुकेश टटवाल ने आगामी बारिश को देखते हुए सभी शहरवासियों से निवेदन किया है कि उज्जैन नगर पालिक निगम वार्ड की हर समस्या के लिए प्रतिबद्ध है इसके निराकरण हेतु आप अपनी समस्या कंट्रोल रूम दूरभाष नम्बर 0734-2535244 के माध्यम से दे सकते हैं। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री आर.एस. मंडलोई, कंट्रोल रूम प्रभारी श्री जितेंद्र श्रीवास्तव, स्वास्थ्य निरीक्षक श्री इदरीश खान मौजूद रहे।

सम्पत्तिकर के बड़े बकायादारों के यहां होगी तालाबंदी

उज्जैन। ऐसे बड़े बकायादार जिन पर एक लाख से अधिक का सम्पत्तिकर बकाया है एवं जिन्हे सख्ती पत्र जारी हो चुका है अब भी यदि उनके द्वारा सम्पत्तिकर जमा नहीं किया जाता है तो मकान की तालाबंदी की जायेगी।

इस बात की अनुशंसा राजस्व विभाग प्रभारी श्री रजत मेहता की अध्यक्षता में आयोजित राजस्व विभाग की बैठक में की गई।

आपने कहा कि 13 जुलाई को लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है सभी बड़े बकायादार सम्पत्तिकरदाताओ से अपील है कि वे अपना अपना सम्पत्तिकर जमा करवा कर शहर विकास में भागीदार बने एवं अप्रिय स्थिति से बचे।

बैठक में मन्दिर, मस्जिद, गुरूद्वारा जहां व्यवसायिक प्रतिष्ठान है से भी सम्पत्तिकर वसुलने के निर्देश दिये तथा ऐसी संस्थाएं जो सम्पत्तिकर में छूट प्राप्त करती है उन्हे अब अपना आर्डर दिखाना होगा। आपने कहा कि शीघ्र ही प्रत्येक झोन के पांच पांच बड़े बकायादारों के नाम सार्वजनिक किये जायेंगे। आपने सभी राजस्व निरीक्षको को डोर टु डोर सम्पत्तिकर वसुलने के निर्देश दिये तथा लक्ष्य भी निर्धारित किये, आपने बताया कि वर्तमान में 15 जुलाई तक अग्रिम सम्पत्तिकर जमा करवाने पर चार प्रतिशत की विशेष छूट दी जा रही है एवं 13 जुलाई को शासन निर्देशानुसार लोक अदालत में बकाया सम्पत्तिकर जमा कराने पर नियमानुसार छूट दी जायेगी, आपने यह भी बताया कि नगर निगम के कम्प्युटर सर्वर की त्रुटि से जिन्होने सम्पत्तिकर कम जमा किया है उनसे वसुली भी की जायेगी। बैठक में उपायुक्त श्रीमति आरती खेड़ेकर, सहायक आयुक्त श्री तेजकरण गुनावदिया, प्रभारी राजस्व अधिकारी सम्पत्तिकर श्री सुनील जैन सहित समस्त राजस्व निरीक्षक उपस्थित थे।

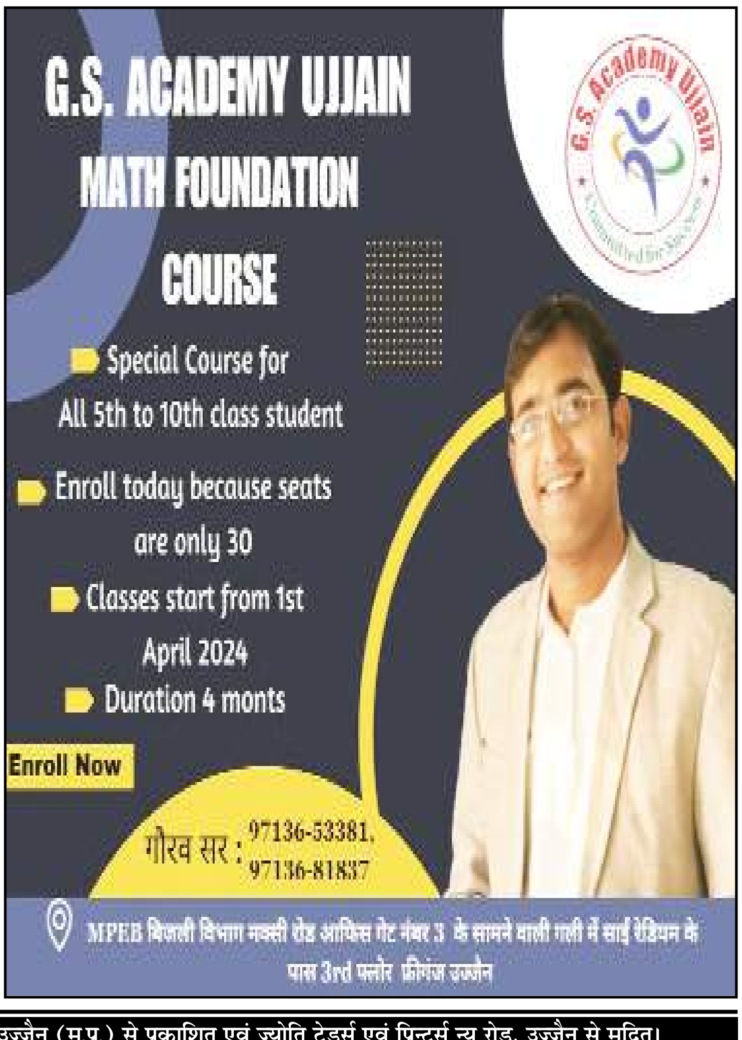

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)